Roll No. ..... Total Pages : 3

LMDQ/D-23 **10852**

सूरदास

Paper–MAH-305

Opt. (iii)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दिए गए पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) अँखिया हरि-दरसन की भूखी।

कैसे रहैं रूपरसराची ये बतियाँ सुनि रूखी।।

अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहिं झुखी।

अब इन जोग-सँदेसन ऊधो अति अकुलानी दूखी।।

बारक वह मुख फेरि दिखाओ दुहि पय पिवत पतूखी।

सूर सिकत हठि नाव चलाओ ये सरिता हैं सूखी।।

(ख) तुन जो कहत संदेसो आनि।

कहा करौ वा नंदनंदन सों होत नहीं हितहानि।।

जोग-जुगुति किहि काज हमारे जदपि महा सुखखानि?

सने सनेह स्यामसुंदर के हिलि मिलि कै मन मानि।।

(ग) अटपटी बात तिहारी ऊधो सुनै सो ऐसी को है?

हम अहीरि अबला सठ, मधुकर! तिन्है जोग कैसे सोहै?

बुचिहि खुभी आँधरी काजर, नकटी पहिरै बेसरि।

मुंडली पाटी पारन चाह, कोढ़ी अंगहि केसरि।।

(घ) लरिकाई को प्रेम, कहौ अलि, कैसे करिकै छूटत?

कहाँ कहौं ब्रजनाथ-चरित अब अंतरगति यों लूटत।।

चंचल चाल मनोहर चितवनि, वह मुसुकानि मंद धुनि गावत।

नटवर भेस नंदनंदन को वह बिनोद गृह बन तें आवत।।

(8×2=16)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए :

(क) सूरदास के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कृष्ण काव्यधारा की वैचारिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कीजिए।

(ख) वर्तमान संदर्भों में कृष्णकाव्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सूरकाव्य में वर्णित प्रेम भावना का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'सूरकाव्य में गीति तत्व की प्रधानता है।' उल्लेख कीजिए।

अथवा

सूरकाव्य में चित्रित श्रृंगारिक रंगोली का विवेचन कीजिए।

(12×3=36)

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए। (लगभग 200 शब्दों में) :

(क) शुद्धाद्वैतवाद।

(ख) अष्टछाप।

(ग) मीरा की काव्य-भाषा।

(घ) नंददास का काव्य-सौष्ठव।

(ङ) रहीम के दोहे।

(च) रसखान की भक्ति भावना।

(छ) नरोत्तम दास का साहित्यिक परिचय। (5×4=20)

4. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'भँवरगीत' किसकी रचना है?

(ख) रसखान का मूल नाम क्या है?

(ग) 'अष्टछाप' की स्थापना किसने और कब की?

(घ) कृष्ण भक्त कवियों का आधार ग्रन्थ कौन-सा है?

(ङ) श्रीनाथ मन्दिर के प्रबन्ध का दायित्व किसके ऊपर था?

(च) विट्ठलनाथ ने बल्लभाचार्य के किस ग्रन्थ को पूरा किया था?

(छ) 'आवत जात पनहियाँ टूटी, बिसरि गयो हरि नाम' उक्ति किसकी है?

(ज) 'सूर ह्वै के घिघियात काहे कू है, कुछ भगवत्लीला वर्णन करो।' किसने कहा? (1×8=8)